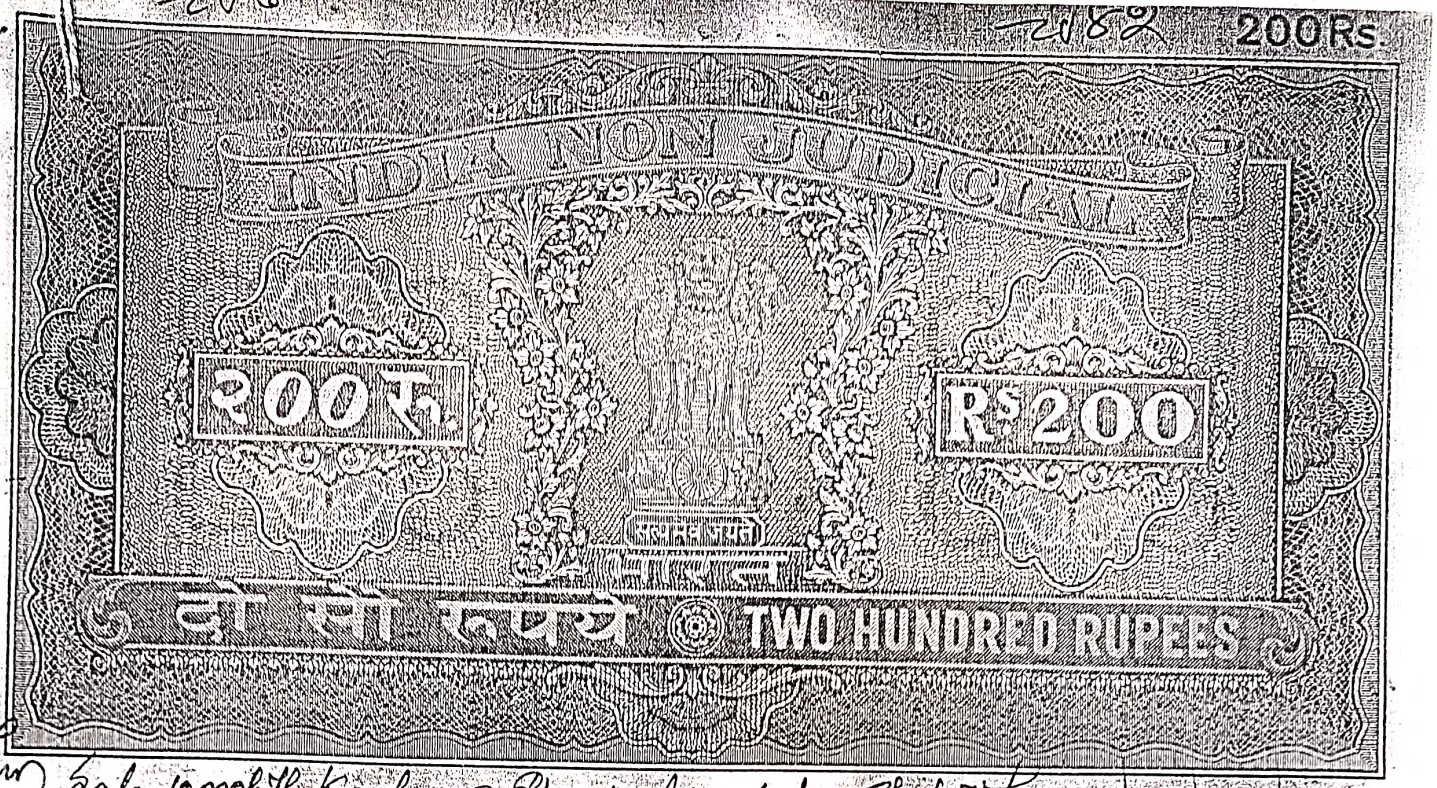

200Rs.

INDIA NON JUDICIAL

२००रु. | Rs 200

सत्यमेव जयते

भारत

दो सौ रुपये | TWO HUNDRED RUPEES

Sale 10,000/ Th Kondrone Plot 0.12 Ar 0.04 dec 88-475/

46 ...

A.O 215.25
N.O 13.50
Chalani 2.50
... fee 0.94
232.19

1.12.86

लेखपकारी श्री मती शारदा देवी (रानी) पति स्व. नाम
श्री तिलकराज जोशी [redacted] हिन्दू राष्ट्रपिता
भारतीय पेशा / बजनस साकिन मैजा
की बजाना को धाना को प बलाया को
सबरजिस्ट्री कार्यालय को डिब्री कर
रजिस्ट्री को जिला हजारी बाग।

लेखंधारी श्री रीपुसूदन प्रसाद पिता श्री
रामशंकर लाल जाति कायस्थ राष्ट्रपिता
भारतीय पेशा / बिजनस साकिन कोयला लाना
की चाबाबेलव रजिस्ट्री ओफिस की डिब्री-
कर रजिस्ट्री को जिला हजारी बाग।

लेखपत्रकार :(विक्रय पत्र) केवाला बैयनामा
कमानी।

मूल्य मोवलग 10000/ दस हजार रुपैया

200Rs.

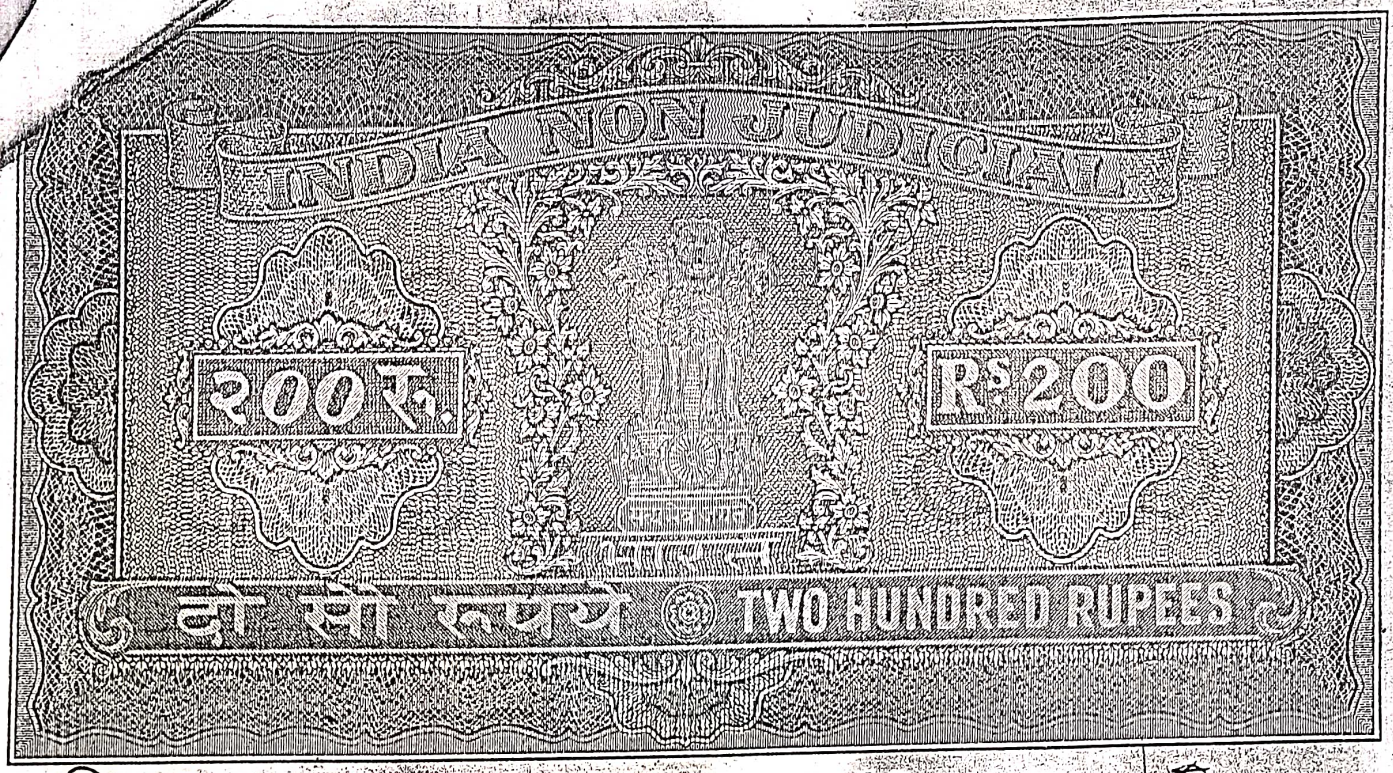

INDIA NON JUDICIAL

२०० रु.

Rs 200

भारत

दो सौ रुपये

TWO HUNDRED RUPEES

मुस्वामी बिहार सरकार मंडल तिलैया कोडरमा
तौजी नं० ६६
सलाना माल गुजारी सालाने १२ बारह पैसा
अलावे शेष।

सम्पति मौजा नं० ८ का जोगी जमीन धान खेत बाड़ इत्यादि रैयती का पत्नी बाकि मौजा कोडरमा परगना थाना
एवं सब रजिस्ट्री कोडरमा थाना नं०
333 अन्दर खाता नम्बर दो एकड़
जो यह सम्पति लेनेवाली वजारीये
केवाला बिक्री श्री अनन्त राम उर्फ
अनन्त राम कौशल्या पिता स्व० मूरत
राम हासिल पाया है जिसका
नं० १ भोलम नं० ७१ पेज सफा ४८४ से
४८६ डिड नं० १८६२ दिनांक २१।२।
८३ ई० सब रजिस्ट्री कोडरमा से
हासिल फरमा सब रजिस्ट्री कोडरमा

75 Rs.

पचहत्तर रुपये

सत्यमेव जयते

भारत

७५रु. INDIA 75Rs

SEVENTY FIVE RUPEES

खाता नम्बर ६१ एकसठ

गाटा नम्बर 3616 छत्तीस सौ सोलह रकबा 0.4 पा0 शामिल बाद खेत वाके है। सर्वे चौहद्दी —

उ0 प्रलाची कुमार द0 रास्ता पू0 सड़क प0 — कास्त सहीना वाके है।

हाल चौहद्दी उ0 सरदारी लाल भारद्वाज द0 रास्ता पू0 श्रीमती सवेना देवी प0 — श्रीमती सुनैना देवी वाके है।

जमा वाला एकजमा तीन एकजमा रकबा 0.4 पा0 शामिल जमीन का [illegible] है।

चूँकि मन लेख्यकारी को वास्ते देन महाजनान वो बिजनस के लिये रुपैया की सख्त जरूरी है बेचा किये बिक्री जमीन के दूसरा समानु नजर में देखा नहीं जाता है इस लिये लेख्यकारी मैंने मुबलिग 10000) रुपैया में उपरोक्त सम्पत्ति साथ लेख्यधारी के बेचा वो दखल दे दिया अब दखल कायम दावा के चाहिये कि उपरोक्त सम्पति पर जिस तरह से फायदा समझें अपने भोग वो बिलास में इस्तेमाल करें। जिस प्रकार से 84-85 दावा, दखल वो सरोकार आज तक लेख्यकारी को था वो होता था कुल 84-85 आज तारीख से लेख्यधारी में व्हाह वारिसान के हुवा वो भविष्य में रहेगा। अगर किसी प्रकार का वाद पेश पाया जाय तो इसका देन दार लेख्यकार होगा। अब चाहिये लेख्यधारी अपना नाम अंचल कार्यालय में दाखिल खारिज करवा कर प्रतिसाल माल बिहार सरकार को अदाय कर रसीद प्राप्त किया करें जर समन ~~क~~ तमाम व कमाल वसूल पाया इस लिये राजी खुशी से लेख्य का विक्रय पत्र लिख दिया जो समय पर काम आवे

आज तारीख - 1/12/1986 ई०

नोट :- चार 6वें चार 7वें 38वें चार 10वें 11 के अनुसार मेरा नाम रजि० एस० में दर्ज है

शारदा रानी देवी
1/12/86

[illegible]

[illegible] मालगुजारी 1.00